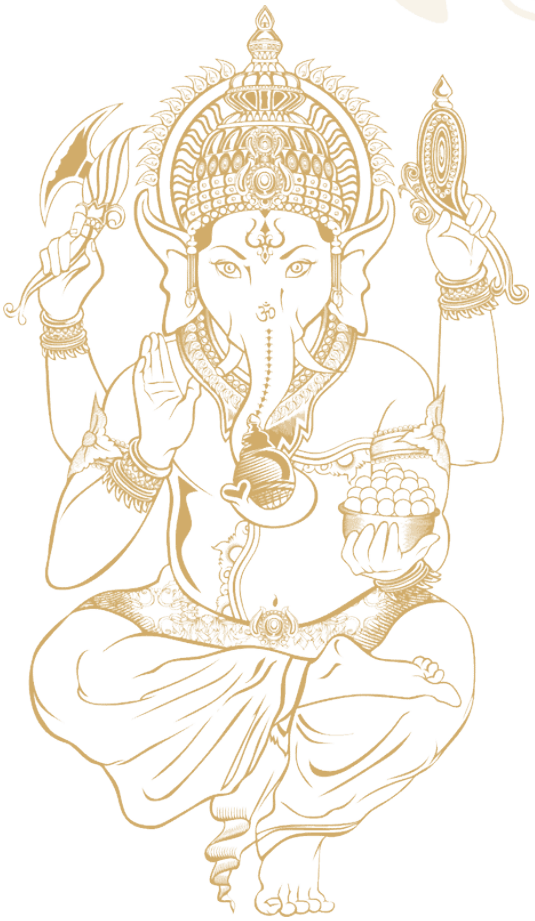

Kd

Md

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121304805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/04/2003	जन्म तिथि	17/02/2026
मंगल-बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 01:20:00	जन्म समय	13:41:00 घंटे
घटी 47:58:58	जन्म समय(घटी)	16:12:25 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Delhi
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:24	सूर्योदय	06:58:10
19:04:44	सूर्यास्त	18:12:29
23:53:56	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:27

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 6मा 13दि		04:26:02	मक	लग्न	मिथु	06:41:04	मंगल 2वर्ष 2मा 6दि	
राहु		08:22:09	मेष	सूर्य	कुंभ	04:26:37	मंगल	
04/11/2024		29:55:11	धनु	चंद्र	कुंभ	02:30:21	17/02/2026	
04/11/2042		06:36:12	मक	मंगल	मक	25:20:07	25/04/2028	
राहु	18/07/2027	26:00:29	मेष	बुध	कुंभ	22:14:06		00/00/0000
गुरु	10/12/2029	14:42:17	कर्क	गुरु व	मिथु	21:38:03		00/00/0000
शनि	16/10/2032	07:29:15	मीन	शुक्र	कुंभ	14:25:45		00/00/0000
बुध	06/05/2035	01:18:21	मिथु	शनि	मीन	06:08:48		00/00/0000
केतु	23/05/2036	05:53:25	वृष	राहु व	कुंभ	14:43:12		17/02/2026
शुक्र	24/05/2039	05:53:25	वृश्चि	केतु व	सिंह	14:43:12	केतु	20/03/2026
सूर्य	17/04/2040	08:05:58	कुंभ	हर्ष	वृष	03:18:48	शुक्र	20/05/2027
चन्द्र	17/10/2041	19:08:26	मक	नेप	मीन	06:24:56	सूर्य	25/09/2027
मंगल	04/11/2042	25:48:14	वृश्चि व	प्लूटो	मक	09:58:39	चन्द्र	25/04/2028

लग्न-चलित

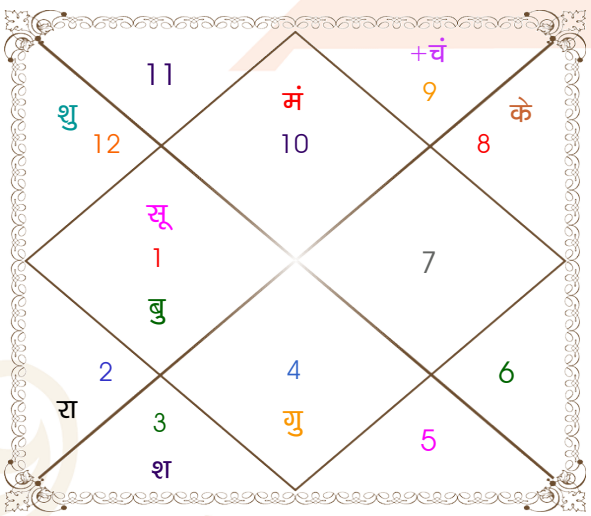

लग्न-चलित

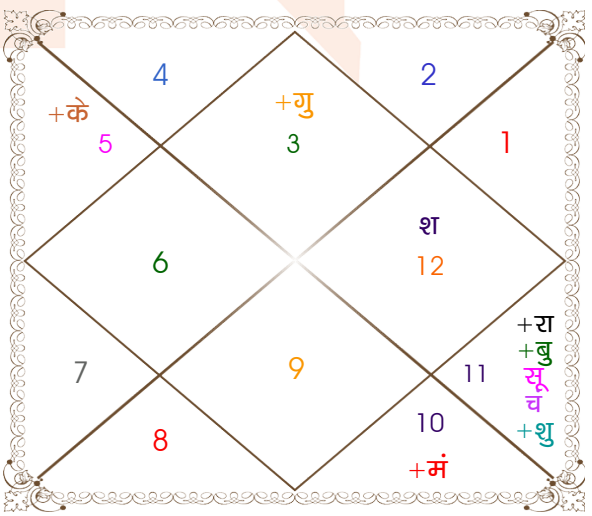

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Kd का वर्ग मूषक है तथा Md का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kd और Md का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Kd मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Kd कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kd कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Md मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Md कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Kd कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kd तथा Md में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।